BA II (H) S/4

Dr. S. N. Pandey
Asso Prof. History
J. K. College, Biraul.

Date
Page

सल्तनतकालीन ऐतिहासिक कृतियाँ

(1) चचनामा :- अली अहमद लिखित अरबी भाषा में अरबों के सिन्ध विजय का उल्लेख मिलता है।

(2) तारीखे सिन्ध या तारीखे मासूमी - इसमें अरबों के विजय से लेकर अकबर के शासन काल का इतिहास मिलता है।

(3) किताबुल यामिनी :- अबू नस्र बिन मुहम्मद अल उतबी द्वारा रचित कृति में सुबुक्तगीन और महमूद गजनवी का उल्लेख मिलता है।

(4) तारीख-उल-हिन्द (किताबुल हिन्द) प्रसिद्ध लेखक अलबरूनी के इस कृति में 11वीं सदी के भारतीय इतिहास का उल्लेख है। यह पुस्तक अरबी भाषा में लिखी गई है।

(5) ताजुल मासिर :- हसन निजामी द्वारा लिखित इस कृति में मुहम्मद गोरी के विजय में व्यापक जानकारी है।

(6) तबकाते नासिरी :- मिनहाज-उल-सिराज लिखित इस पुस्तक में मुहम्मद गोरी से लेकर 1260 ई० तक का इतिहास लिखा हुआ है।

(7) तारीखे फिरोजशाही :- जियाउद्दीन बरनी द्वारा लिखित इस पुस्तक में फिरोज तुगलक के शासनकाल के छठे वर्ष तक का इतिहास मिलता है।

(8) फतवा-ए-जहांदारी, सना-ए-मुहम्मदी, सलाते कबीर, इनायतनामा-ए-इलाही, मासीर सादात, हसरतनामा, तारीखे बरमकियान आदि कृतियाँ जियाउद्दीन बरनी की कृति है जिससे सल्तनतकालीन इतिहास की जानकारी

मिलती है।

(9) अमीर खुसरो ने भी अनेक कृतियों द्वारा मध्यकालीन भारतीय इतिहास की जानकारी दी है जो निम्न है। खजाइन-उल-फुतूह, किरान-उस-सादैन, मिफ्ता-उल-फुतूह, मतला-उल-अनवार, शीरीं एवं खुसरो, लैला मजनूं, आईने सिकन्दरी, हश्तबहिश्त, देवलरानी व खिज्र खाँ, नूह सिपहर, एजाज-ए-खुसरवी, तारीखे-दिल्ली आदि प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त खुसरो ने 1291 ई. में मिफ्ता-उल-फुतूह, खाजिन, नूह-सिपहर तथा तुगलकनामा ग्रन्थ की रचना की है।

(10) किताब-उल-रेहला:- मोरक्को निवासी इब्नबतूता ने 1333 ई. में भारत आगमन के 1333 ई. से 1341 ई. तक के भारतीय इतिहास पर प्रकाश डाला है।

(11) फुतूह-उस-सलातीन:- ख्वाजा अबू बक्र इसामी द्वारा लिखित पुस्तक में तत्कालीन भारतीय इतिहास की जानकारी मिलती है।

(12) तारीख-ए-फिरोजशाही:- शम्स-ए-सिराज अफीफ द्वारा लिखित इस पुस्तक में फिरोज तुगलक एवं तुगलक वंश के पतन की जानकारी मिलती है।

(13) फुतूहात-ए-फिरोजशाही:- इस पुस्तक में फिरोज तुगलक के आदेशों एवं आत्मकथा का संकलन है।

(14) तारीख-ए-मुबारकशाही:- याहिया बिन अहमद सरहिन्दी द्वारा लिखित इस पुस्तक में सैय्यद वंश की जानकारी का एकमात्र स्रोत है।

मिलती है।

(9) अमीर खुसरो ने भी अनेक कृतियों द्वारा मध्यकालीन भारतीय इतिहास की जानकारी दी है जो निम्न है। खज़ाइन-उल-फुतूह, किरान-उस-सादेन, मिफ्ता-उल-फुतूह, आशिका-उल-अनवर, शीरी एवं खुसरो, लैला मजनूं, आईने सिकन्दरी, हश्त बहिश्त, देवलरानी व खिज्र खाँ, रसैल इजाज़ अफज़ल, उल-फवायद, तारीखे-दिल्ली आदि प्रमुख है। इसके अतिरिक्त खुसरो ने 1291 ई. के मिफ्ता-उल-फुतूह, आशिका, नूह-सिपेहर तथा तुगलकनामा ग्रन्थ की रचना की है।

(10) किताब-उल-रेहला!- मोरक्को निवासी इब्नबतूता ने 1333 ई. में भारत आगमन ने 1333ई से 1347ई. तक के भारतीय इतिहास पर प्रकाश डाला है।

(11) फुतूह-उस-सलातीन!- ख्वाजा अबूबक्र इसामी द्वारा लिखित पुस्तक में तत्कालीन भारतीय इतिहास की जानकारी मिलती है।

(12) तारीख-ए-फिरोजशाही!- शम्स-ए-सिराज अफीफ द्वारा लिखित इस पुस्तक में फिरोज तुगलक एवं तुगलक वंश के पतन की जानकारी मिलती है।

(13) फुतूहाते फिरोजशाही!- इस पुस्तक में फिरोज तुगलक के अध्यादेश एवं आत्मकथा संकलित है।

(14) तारीख-ए-मुबारकशाही!- याहिया बिन अहमद सरहिन्दी द्वारा लिखित इस पुस्तक में सैयद वंश की जानकारी का एकमात्र स्रोत है।

(15) गुलरुखी! - सुलतान सिकन्दर लोदी ने इस पुस्तक के फारसी कविताएँ लिखी हैं।

(16) मुसलमानकाल में संस्कृत की कुछ पुस्तकों का फारसी में अनुवाद किया गया है जो निम्न है। दलनामे सिकन्दरशाही, जाद मुअर्रा सिकन्दरी, ताज-उल-मासिर, कामिल-उत-तवारीख, ~~त[illegible]~~ तारीख-ए-फिरिश्ता, किताब-उल-यामिनी, ~~[illegible]~~ तारीख-ए-मसूदी आदि। हिन्दी में जासूसी लिखने की परम्परा की शुरुआत तुगलक काल में हुई थी।